Nai Dunia (Indore), 14th September 2022, Page – 01

हिंदी दिवस विशेष

आरआर-कैट सहित कई दिग्गज शिक्षण संस्थान भी हिंदी के विकास के लिए सतत कर रहे कार्य

आइआइएम, आइआइटी के माथे की बिंदी बनकर इठलाई हिंदी

हर्षल सिंह राठौर ● इंदौर

कभी अपनों की उपेक्षा सहने वाली हिंदी अब उन संस्थानों में गर्व से सिर उठाए खड़ी है जहां हिंदी में लिखना तो दूर बोलना भी उचित नहीं समझा जाता था। जहां विद्यार्थी हिंदी दिवस पर कुछ वाक्य बोलने के पहले अभ्यास करते थे, वहां अब हिंदी में शोधपत्र लिखे जा रहे हैं। इंदौर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) और राजा रमन्ना सेंटर फार एडवांस्ड टेक्नोलाजी (आरआर-कैट) हिंदी के विकास और विस्तार के लिए सतत प्रयास कर रहे हैं। कक्षाओं में भी प्रोफेसर हिंदी में संवाद कर रहे हैं और विद्यार्थियों को भी आपसी संवाद में ऐसा करने को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

तकनीक के सहारे सिखा रहे हिंदी: कार्यशाला, संगोष्ठी और शब्दकोश से विद्यार्थियों को हिंदी की जानकारी देने के अलावा ये संस्थान अपने पोर्टल पर भी हिंदी में जानकारियां साझा करने लगे हैं। चूंकि विद्यार्थियों की रुचि तकनीक में ज्यादा है इसलिए आइआइटी इंदौर की जिन साइट्स पर विद्यार्थी काम करते हैं, वहां हिंदी के नए-नए शब्द अपलोड किए जाते हैं। करीब चार वर्ष से जारी इस प्रयास में अब तक हजारों शब्द सम्मिलित हो चुके हैं। संस्थान के पोर्टल पर शब्द नामक विकल्प भी है। संस्थान के सूचना अधिकारी सुनील कुमार के अनुसार शब्दकोश में वे शब्द भी शामिल किए जाते हैं जो पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं, ताकि रुचि बनी रहे।

बेहतर प्रबंधन से हिंदी में संवाद: आइआइएम इंदौर में कार्यशालाओं से हिंदी ज्ञान बेहतर करने का प्रयास होता है। संस्थान ने पोर्टल पर हिंदी में भी जानकारियां साझा करना शुरू किया है। निदेशक ने भी प्राध्यापकों और विद्यार्थियों से हिंदी में ही संवाद करना शुरू किया। संस्थान के आयोजनों में भी हिंदी बोली-पढ़ी जा रही है। >> विशेष पेज 9 भी पढ़ें

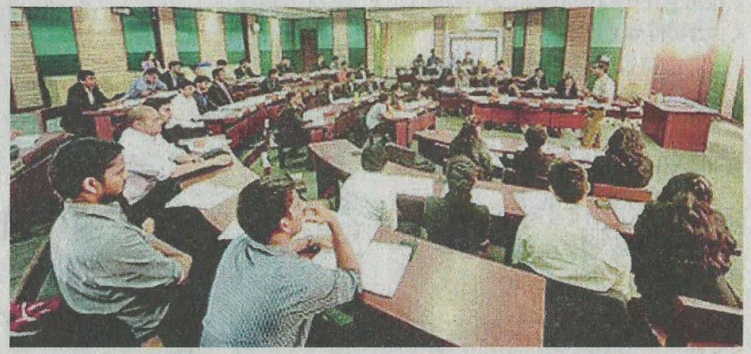

आइआइएम इंदौर की कक्षा में बैठे विद्यार्थी ● सौ. संस्थान

हिंदी में जानकारी और संवाद

रक्षा क्षेत्र से अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए उपयोगी शोध करने वाले आरआरकैट में भी हिंदी बढ़ रही है। तकनीकी विषय की जानकारी लोगों के साथ संस्थान के कर्मचारी-अधिकारियों को सहजता से हो इसलिए आवश्यक सूचनाएं हिंदी में ही जारी होती हैं। कार्यालय में भी हिंदी का प्रयोग बढ़ा है।

कंपनियां पहुंच बढ़ाने के लिए हिंदी में एप और वेबसाइट ला रही हैं। अत: प्रबंधन शिक्षा में भी हिंदी को शामिल करना आवश्यक है। ताकि विद्यार्थी रोजगार प्राप्त करने के साथ समाज और राष्ट्र निर्माण से भी जुड़ें।

प्रो. हिमांशु राय, निदेशक आइआइएम